राज्य मानचित्र

केरल
KERALA

पैमाना 1:750,000

भारतीय सर्वेक्षण विभाग | SURVEY OF INDIA

पहला संस्करण 2026.

पैमाना 1:750,000

1 सेन्टीमीटर = 7.5 किलोमीटर

किलोमीटर 7.5 0 7.5 15 22.5 30 37.5 किलोमीटर

ऊंचाइयाँ और गहराइयाँ मीटर में हैं ।
समुद्र में भारत का जल प्रदेश उपयुक्त आधार-रेखा से बारह समुद्री मील की दूरी तक है ।
राज्य और जिलों का मुख्यालय मानचित्र के अन्दर दीखता किया गया है ।

केरल

पश्चिम में समुद्र से घिरा और पूर्व में घाटों से सुरक्षित केरल का नाम नारियल के ताड़ के स्थानीय संस्करण केरा से लिया गया है जो राज्य के जीवन और परिदृश्य पर हावी है । भाषाई आधार पर राज्यपुनर्गठन के परिणामस्वरूप, वर्तमान केरल 1 नवम्बर,1956 में मलयालम भाषी क्षेत्रों को शामिल करते हुए अस्तित्व में आया । पुरातात्विक साक्ष्यों के अनुसार यहाँ पर महापाषाण युग से ही लोग निरंतर निवास करते रहे हैं । अनादि काल से इस भूमि का दुनिया के अन्य हिस्सों के साथ व्यापारिक संबंध रहा है,आर्यों ने विस्थापित होने के बाद हिंदू धर्म की शुरुआत करी। ईसाई धर्म का प्रचार सेंट एपोस्टल थॉमस ने किया और इस्लाम अरब व्यापारियों द्वारा लाया गया । बौध्द धर्म, यहूदी धर्म और अन्य धर्मों के लोग भी केरल में आकर बसे जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न संस्कृतियों का सुखद निश्रण हुआ जिसने इस छोटे से राज्य के जीवन को समृध्द किया । 9 वीं शताब्दी के कुलशेखरों के शासनकाल में केरल प्रमुखता से उभरा। 11 वीं शताब्दी में चेरा और चोला राज वंशों के बीच 100 साल के युध्द ने भूमि को छोटी-छोटी रियासतों में विभाजित कर दिया , इनमें सबसे महत्वपूर्ण त्रावणकोर , कोच्चि और कोषिक्कोड की रियासते थी । वास्को -द- गामा के कोषिक्कोड के निकट कप्पाड में उतरने से यह क्षेत्र तथा पूरा देश यूरोपीय व्यापार के लिए खुल गया । 1766 - 1790 के बीच केरल पर मैसूर के आक्रमण ने अंग्रेजों के प्रभुत्व का मार्ग प्रशस्त किया।

केरल 14 जिलों में विभाजित है । कृषि यहाँ के लोगों का मुख्य आधार है।वनों से आच्छादित पर्वत श्रंखलाएँ , समृध्द वनस्पतियों और जीवों से युक्त , विस्तृत बागानों का दृश्य प्रस्तुत करती हैं , विभिन्न प्रकार की नकदी फसलों से उपजाऊ मध्यभूमि , नारियल के पेड़ों और धान के खेतों से ढकी निचली भूमि, और पश्चिम से सटा समुद्र जलीय जीवन से समृध्द है । प्रमुख नदियाँ भारतपुपा , पंबा , पेरियार व 40 अन्य छोटी नदियाँ पहाड़ों से निकलकर मध्यभूमि और मैदानों को भव्य रूप से हरा-भरा बनाते हुए बहती हैं और लक्षद्वीप सागर में विलीन हो जाती हैं । जलवायु सम है और इस क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिम और उत्तर - पूर्वी मानसून से भरपूर वर्षा होती है ।

विशिष्ट पारिस्थितिक ढाँचा , सांप्रदायिक सद्भाव और धार्मिक सहिष्णुता केरल की संस्कृति और विरासत का सार हैं । यह अत्यधिक राजनीतिक रूप से सक्रिय क्षेत्र अपनी सर्वोच्च साक्षरता के लिए जाना जाता है। मसाले,मछली, काजू,नारियल के उप-उत्पादों का निर्यात और विदेशों में बड़ी संख्या में लोगों का रोजगार , इस राज्य को देश के लिए विदेशी मुद्रा अर्जित करने में शीर्ष स्थान रखता है । केरल ने श्री शंकराचार्य, श्री नारायणगुरु, तुंचत्त् एषुत्तच्छन, कुंचन नंबियार, स्वाति तिरुनाल, राजा रवि वर्मा आदि जैसी कई विभूतियों को गौरवान्वित किया है । अंतरराष्ट्रीय स्थाति प्राप्त कथकली, सर्प नौका दौड़ , त्रिशूर पूरम, कळरिपयट्टु जैसी मार्शल आर्ट और दृश्य कलाओं के विभिन्न अन्य रूप इस भूमि में खूब फलते-फूलते हैं । फसल उत्सव ओणम सभी समुदाय मिलकर अगस्त / सितंबर के माह में बड़े धूमधाम से मनाते हैं ।

2690 मीटर ऊँचा अनाई मुडी-दक्षिणी प्रायद्वीप की सबसे ऊँची चोटी, मनोरम पहाड़ियाँ और खूबसूरत घाटियाँ , रेतीले समुद्र तट , लहराते नारियल के पेड़ , मछली पकड़ने के चीनी जालों की आकृतियाँ , शांत बैकवाटर, सुस्त लैगून, शांत आकाश- ये सभी प्राकृतिक वैभव केरल को अनंत प्राकृतिक सौंदय का खज़ाना बनाती है । तिरुवनंतपुरम राज्य की राजधानी एक सुंदर तटीय शहर , कोवलम- दुनिया का सबसे मनोरम समुद्र तट , कोच्चि – एक प्रसिध्द बंदरगाह शहर , तेक्कडी - जंगली हाथियों का निवास , मलनपुषा- सुंदर उद्यान और लोकप्रिय तीर्थस्थल शबरिमला , गुरुवायुर , मलयाट्टूर , कालडि आदि, केरल को घरेलू और विदेशी पर्यटकों के लिए एक मननोहक स्वर्ग बनाते हैं।

श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर , तिरुवनंतपुरम अपनी पवित्रता , सुंदरता और इससे जुड़े विशाल खज़ाने के कारण बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित करता है।

निर्देश

मुख्यालय का नाम : राज्य/संघ राज्य क्षेत्र ..... तिरुवनंतपुरम
मुख्यालय का नाम : जिला;उपजिला (अंचल) ..... पैनाव — मन्जेरि
अन्य नगर का नाम ..... नडविल
जिले का नाम ..... इ डु क्कि
क्षेत्र,इलाका ..... म ल बा र त्त ट
पर्वत का नाम, पर्वत शिखर का नाम ..... का र्डा मं प हा डि यों — आनै मुडि
पर्वतश्रेणी ..... प श्चि मी घा ट
मुख्यालय : राज्य / संघ राज्य, जिला .....
मुख्यालय : उप-जिला(अंचल),अन्य नगर .....
राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे , स्वर्णिम चतुर्भुज ..... NE7 — 48
पूर्व-पश्चिम गलियारा , राष्ट्रीय राजमार्ग ..... 66 — 66
राज्य राजमार्ग , अन्य सड़कें .....
रेलमार्ग बड़ी लाईन , स्टेशन सहित : दोहरी , इकहरी ..... गुरुवायूर
.....अन्य लाईन .....
प्रवाह: सजल, जलाशय .....
झील , नहर .....
अनुनाभीर समोच्च रेखा,गहराई 46
सीमा: राज्य, जिला, उपजिला (अंचल) .....
मंदिर, चर्च, मस्जिद .....
लाइट हाउस, किला .....
ऊंचाई: त्रिकोणमितीय स्टेशन, बिंदु, सी ओ आर एस .. △ 369 . 1463
हवाई अड्डा: अंतराष्ट्रीय, अन्य .....

इस मानचित्र से संबंधित अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें

विंग प्रभारी
केरल एवं लक्षद्वीप विंग
भारतीय सर्वेक्षण विभाग, सी जी ओ कॉम्प्लेक्स
पूंकुलम, वेलनथंगी - डाकघर
तिरुवनंतपुरम- 695522
टेलीफोन- 0471-2481473
ई - मेल : ker.gdc.soi@gov.in

वेबसाइट – www.surveyofindia.gov.in
राष्ट्रीय मानचित्रण संस्था, भारतीय सर्वेक्षण विभाग की लिखित अनुमति के बिना किसी भी मा!यम से पूरे मानचित्र या किसी भाग का पुनरुत्पादन वर्जित है ।

INDIA | भारत
इस मानचित्र का नामनिर्देश इस प्रकार हैः- 1:750,000
केरल का राज्य मानचित्र | प्रथम संस्करण

1:250,000 मानचित्रों का प्रदर्शक

तिरुवनंतपुरम

विशेष संदर्भ		
क्र.सं.	नाम	श्रेत्र
1	तिरुवित्थापनित	घ/4
2	विद्यागंग	घ/5

रजि. नं. 360 भासर्विमु दि '26 (के एल&विंग- 1:750,000)- 12
प्रथम हिन्दी संस्करण 2026.

भारत के महासर्वेक्षक हितेश कुमार एस. मकवाणा, भाइएसे., के निदेशन में प्रकाशित,
Published under the direction of Hitesh Kumar S. Makwana, I.A.S., Surveyor General of India,
भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हाथीबड़कला एस्टेट, पो. बा. सं. 37, देहरादून-248001 (उत्तराखण्ड)
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार।
2026.

प्रक्षेप : लैम्बर्ट अनुरूपी शांकव आधार: डब्लू जी एस 84.

भारतीय सर्वेक्षण विभाग मुद्रणालय द्वारा मुद्रित।

© भारत सरकार का प्रतिलिप्याधिकार, 2026.

Refer to this map as:– 1:750,000 State map of
KERALA FIRST EDITION
INDIA भारत